बैंकों की आस्ति और देयताओं का परिपक्वता प्रोफाइल

3.44 वाणिज्यिक बैंकों की आस्तियों और देयताओं की परिपक्वता संरचना में कारोबार विस्तार, चलनिधि प्रबंधन, निधियों की लागत, आस्तियों पर आय, आस्ति गुणवत्ता और जोखिम की इच्छा से संबंधित बैंकों की अनेक बातों का समन्वयन परिलक्षित होता है। मोटे तौर पर, तुलन-पत्र के बड़े घटकों जैसे जमा, उधार, ऋण और अग्रिम तथा बड़े बैंक समूहों के निवेश ने 2005-06 के दौरान परिपक्वता परिदृश्य में भिन्न- भिन्न पैटर्न प्रस्तुत किया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों के ऋणों और अग्रिमों की परिपक्वता संरचना ने जमाओं की तरह एक तरह का पैटर्न प्रस्तुत किया। लेकिन, नए निजी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों के ऋण और अग्रिम उनकी जमाओं की तुलना में उच्च परिपक्वता समूह में अधिक थे। इसके अलावा, नए निजी क्षेत्र और विदेशी बैंकों ने अपने अधिकांश निवेशों को कम परिपक्वता वाले समूह में रखा जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों ने अपने अधिकांश निवेशों को कम परिपक्वता वाले समूह में रखा (सारणी III.18)।

3. तुलन पत्र से इतर परिचालन

3.45 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का तुलन-पत्र से इतर निवेश 2004-05 के 58.0 प्रतिशत की वृद्धि के अतिरिक्त 2005-06 में तेजी से 50.0 प्रतिशत बढ़ा। पिछले पाँच वर्षों में, बैंकों के कुल तुलन-पत्र से इतर निवेशों में उल्लेखनीय वृद्धि दिखी, जिसके परिणामस्वरूप कुल आस्तियों में तुलन-पत्र से इतर निवेश का हिस्सा मार्च 2002 के अंत के 57.7 प्रतिशत से मार्च 2006 के अंत में तेजी से बढ़कर 152.5 प्रतिशत हो गया (चार्ट III.10), जो अविनियमन, जोखिम प्रबंधन परिचालन, आय विविधीकरण और सूचना तकनीक में हुई प्रगति के कारण सुलभ हुए नए कारोबार के अवसरों के प्रभाव को दर्शाता है।

3.46 बैंक समूहों के बीच, विदेशी बैंकों का कुल आस्तियों के रूप में तुलन-पत्र से इतर निवेशों का हिस्सा सर्वाधिक था, इसके पश्चात दूरस्थ नए निजी क्षेत्र के बैंक और अन्य बैंक समूह थे (परिशिष्ट सारणी III.12)। बैंकिंग प्रणाली का तुलन-पत्र से इतर निवेश 15 बैंकों में केंद्रीभूत है ,जिसमें अधिकांश विदेशी बैंक हैं। ये बैंक विशेष रूप से डेरिवेटिव खण्ड में सक्रिय है।

सारणी III.18 : चुनिंदा देयताओं/आस्तियों की बैंक समूहवार परिपक्वता स्वरूप
(मार्च केअंत में)

(प्रतिशत)

आस्तियां/देयताएं	सरकारी क्षेत्र के बैंक		निजी क्षेत्र के पुराने बैंक		निजी क्षेत्र के नए बैंक		विदेशी बैंक	
	2005	2006	2005	2006	2005	2006	2005	2006
1	2	3	4	5	6	7	8	9
I. जमाराशियां								
क) एक वर्ष तक	36.3	39.7	53.3	48.1	53.9	58.7	54.2	53.2
ख) एक वर्ष से अधिक और तीन वर्ष तक	35.3	30.6	37.6	38.3	43.1	36.9	39.2	43.6
ग) तीन वर्ष से अधिक और पांच वर्ष तक	11.9	11.7	3.4	6.1	2.1	3.0	0.9	0.4
घ) पांच वर्ष से अधिक	16.5	17.9	5.7	7.5	0.9	1.4	5.7	2.8
II. उधार राशियां								
क) एक वर्ष तक	41.8	42.1	80.7	81.5	51.2	55.5	84.4	84.6
ख) एक वर्ष से अधिक और तीन वर्ष तक	20.2	26.3	4.1	3.7	34.1	18.7	12.3	13.7
ग) तीन वर्ष से अधिक और पांच वर्ष तक	12.7	10.9	7.1	6.2	7.6	20.8	3.3	1.5
घ) पांच वर्ष से अधिक	25.3	20.7	8.2	8.5	7.0	5.0	–	0.3
III. ऋण और अग्रिम								
क) एक वर्ष तक	36.7	35.5	42.3	42.6	39.7	30.7	55.9	55.8
ख) एक वर्ष से अधिक और तीन वर्ष तक	34.6	35.2	33.7	36.3	32.2	40.2	17.9	25.7
ग) तीन वर्ष से अधिक और पांच वर्ष तक	12.0	11.5	9.0	10.1	9.5	11.3	6.5	5.3
घ) पांच वर्ष से अधिक	16.6	17.8	15.0	11.0	18.6	17.9	19.7	13.2
IV. निवेश								
क) एक वर्ष तक	13.4	11.9	21.9	20.0	47.6	50.5	53.1	58.8
ख) एक वर्ष से अधिक और तीन वर्ष तक	12.7	14.3	11.1	9.6	27.5	25.5	27.3	29.4
ग) तीन वर्ष से अधिक और पांच वर्ष तक	17.3	16.8	12.6	14.5	6.2	7.1	6.1	4.7
घ) पांच वर्ष से अधिक	56.6	56.9	54.4	55.9	18.8	16.8	13.6	7.1

चार्ट III.10: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कुल आस्तियों की तुलना में तुलन पत्र से इतर जोखिम आदि

(मार्च के अंत में)

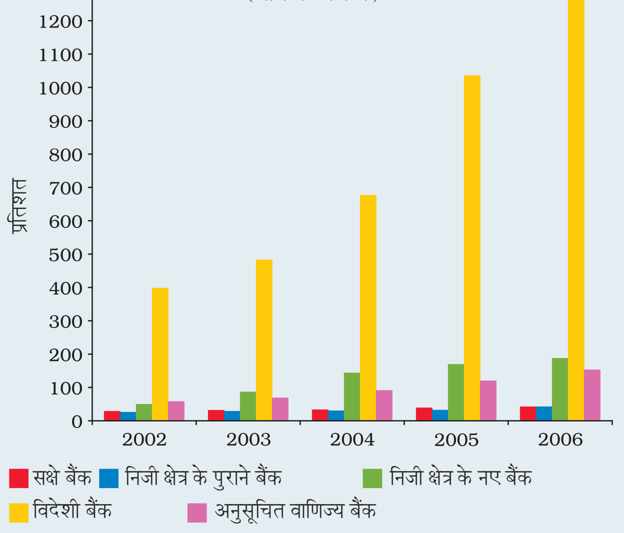

4. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का वित्तीय निष्पादन

3.47 पिछले वर्ष से तुलना करने पर, 2005-06 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र का समग्र वित्तीय निष्पादन उल्लेखनीय रूप से सुधरा। बैंक अपनी निवल ब्याज आय बढ़ा पाए। एक तरफ, सरकारी आय में कमी के कारण ट्रेडिंग लाभ में गिरावट और दूसरी तरफ, व्यय और प्रावधान तथा आकस्मिकताओं में वृद्धि के बावजूद, बैंकों के निवल लाभ बढ़े।

ब्याज दर परिदृश्य

3.48 2005-06 के दौरान ऋण की अधिक मांग के कारण उधार दरों और बैंक की जमा दरों पर ऊर्ध्वगामी दबाव पड़ा। बैंकों द्वारा, सामान्यता, जमाओं पर दिए जानेवाले ब्याज की दरें 2005-06 के दौरान बढ़ीं (सारणी III.19)। लेकिन, अल्पकालिक परिपक्वताओं पर यह वृद्धि अधिक थी। एक वर्ष तक की परिपक्वता और उसके ऊपर तीन वर्ष तक की परिपक्वता की जमाओं पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा दी गई ब्याज दरों का स्प्रेड मार्च 2005 के 100 आधार अंक से घटकर मार्च 2006 के अंत में 75 अंक पर आ गया । इसी प्रकार, एक वर्ष और तीन वर्ष तक की परिपक्वता की जमाओं पर निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा दी गई ब्याज दरों का स्प्रेड 75 आधार अंक से घटकर 50 आधार अंक हो गया। ब्याज दरों में वृद्धि अन्य ब्याज लिखतों से बढ़ी स्पर्धा और सामान्यतया ब्याज दरों में वृद्धि की सूचक है। मार्च 2006 और जून 2006 के बीच विभिन्न परिपक्वताओं वाली जमाराशियों पर

सारणी III.19: जमा और उधार देने की दरों में उतार-चढ़ाव

(प्रतिशत)

ब्याज दर	मार्च-04	मार्च-05	मार्च-06	जून 2006
1	2	3	4	5
घरेलू जमा दरें				
सरकारी क्षेत्र के बैंक				
क) 3 वर्ष से अधिक	5.00 – 5.75	4.75-6.50	5.75-6.75	5.75-7.00
ख) 1 वर्ष से अधिक और 3 वर्ष तक	5.00 – 5.75	4.75-6.50	5.75-6.75	5.75-7.00
ग) 3 वर्ष से अधिक	5.25 – 6.00	5.25-7.00	6.00-7.25	6.00-7.25
निजी क्षेत्र के बैंक				
क) एक वर्ष तक	3.00 – 6.00	3.00-6.25	3.50-7.25	3.50-6.75
ख) 1 वर्ष से अधिक और 3 वर्ष तक	5.00 – 6.50	5.25-7.25	5.50-7.75	6.50-7.75
ग) 3 वर्ष से अधिक	5.25 – 7.00	5.75-7.00	6.00-7.75	6.50-8.25
विदेशी बैंक				
क) एक वर्ष तक	2.75 – 7.75	3.00-6.25	3.00-5.75	3.25-6.50
ख) 1 वर्ष से अधिक और 3 वर्ष तक	3.25 – 8.00	3.50-6.50	4.00-6.50	5.00-6.50
ग) 3 वर्ष से अधिक	3.25 – 8.00	3.50-7.00	5.50-6.50	5.50-6.75
मूल उधार दर				
सरकारी क्षेत्र के बैंक	10.25-11.50	10.25-11.25	10.25-11.25	10.75-11.50
निजी क्षेत्र के बैंक	10.50-13.00	11.00-13.50	11.00-14.00	11.00-14.50
विदेशी बैंक	11.00-14.85	10.00-14.50	10.00-14.50	10.00-14.50
वास्तविक उधार दर*				
सरकारी क्षेत्र के बैंक	4.00-16.00	2.75-16.00	4.00-16.50	4.00-16.50
निजी क्षेत्र के बैंक	3.00-22.00	3.15-22.00	3.15-20.50	3.15-26.00
विदेशी बैंक	3.75-23.00	3.55-23.50	4.75-26.00	4.75-25.00

* : दो लाख रुपए से अधिक निर्यात से इतर मांग तथा मीयादी ऋण पर ब्याज दर दोनों ओर से अधिकतम पांच प्रतिशत ऋण दर को छोड़कर।

चार्ट III.11: सरकारी क्षेत्र के बैंकों की जमा और उधार देने की दरों के बीच स्प्रेड

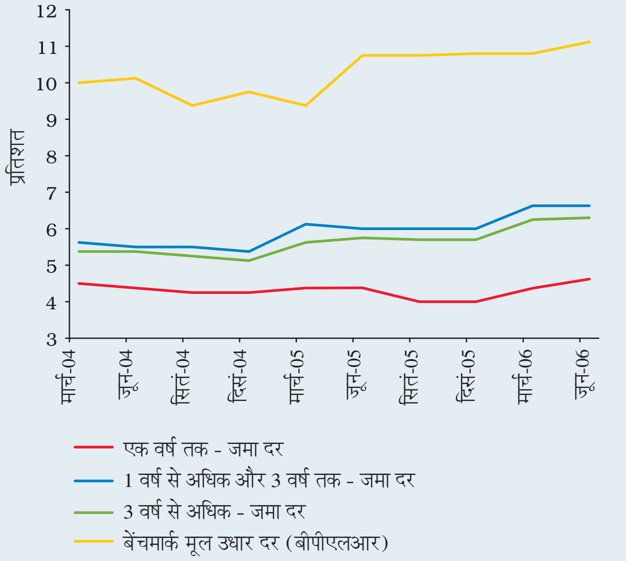

बैंकों ने अपनी ब्याज दरों को 25-75 आधार अंक और बढ़ाया। सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकतर बैंकों ने 'तीन वर्ष तक' की परिपक्वता पर अपनी ब्याज दरों को 25 से 50 आधार अंक तक ऊपर बढ़ाया जबकि तीन वर्ष से अधिक परिपक्वता के लिए जमा दरें अपरिवर्तित रहीं (चार्ट III.11)।

3.49 2005-06 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों के बेंचमार्क मूल उधार दर की सीमा अपरिवर्तित रही, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों की बेंचमार्क मूल उधार दर 50 आधार अंक बढ़ी। निजी क्षेत्र के बैंक और विदेशी बैंकों के बीपीएलआर का सीमा-विस्तार सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों की तुलना में ज्यादा व्यापक था। मार्च 2006 के अंत में आधे से अधिक निजी क्षेत्र के बैंकों का बीपीएलआर 11-12 प्रतिशत की सीमा में था। विदेशी बैंकों के मामले में, नौ बैंकों का बीपीएलआर 12-13 प्रतिशत की सीमा, पाँच बैंकों का 10-11 प्रतिशत की सीमा और दूसरे पाँच का 11-12 प्रतिशत की सीमा में था। ऋण की अधिक मांग के वातावरण में भी, बैंकों के उधार का एक काफी बड़ा हिस्सा बीपीएलआर से नीचे की दर पर था जो ऋण बाजार में प्रतिस्पर्धी दशाओं का सूचक है। निर्यात ऋण और लघु ऋणों को छोड़कर वाणिज्यिक बैंकों के कुल उधार में बीपीएलआर से नीचे दर वाले ऋणों का हिस्सा बढ़कर मार्च 2005 के 59 प्रतिशत से मार्च 2006 में 69 प्रतिशत तथा जून 2006 तक 75 प्रतिशत हो गया।

3.50 अप्रैल-जून 2006 की अवधि के दौरान, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का बीपीएलआर 25-50 आधार अंक बढ़ा। इसी अवधि के दौरान विदेशी बैंकों के बीपीएलआर की सीमा अपरिवर्तित रही।

3.51 5 वर्षीय और 10 वर्षीय शेष परिपक्वता वाली सरकारी प्रतिभूतियों पर आय क्रमशः 87 और 84 आधार अंक कम हुई (सारणी III.20)। दीर्घकालिक परिपक्वताओं की तुलना में अल्पकालिक परिपक्वताओं

सारणी III.20: ब्याज दर संरचना

(प्रतिशत)

	मार्च-04	मार्च-05	मार्च-06	अगस्त 2006
1	2	3	4	5
I. ऋण बाजार				
1. सरकारी प्रतिभूति बाजार				
5-वर्ष*	4.89	6.37	7.24	7.57
10-वर्ष*	5.15	6.69	7.53	7.9
II. मुद्रा बाजार				
2. मांग उधार (औसत)	4.37	5.00	6.58	6.06
3. वाणिज्यिक पत्र				
डब्ल्यूएडीआर 61 – 90 दिन	5.19	5.89	8.72	7.26
डब्ल्यूएडीआर 91-180 दिन	4.73	5.87	8.54	7.02
दायरा	4.70 - 6.50	5.45 - 6.51	6.69 - 9.25	6.60 - 9.00
4. जमा प्रमाणपत्र				
दायरा	3.87 - 5.16	4.21 - 6.34	6.50 - 8.94	6.00 - 8.62
विशिष्ट दर				
3 माह	4.96	5.9	8.72	6.64
12 माह	5.16	6.26	8.7	8.5
6. खजाना बिल				
91 दिन	4.38	5.32	6.11	6.35
364 दिन	4.45	5.61	6.42	6.99

* : मार्च के अंत में
डब्ल्यूएडीआर - भारित औसत जमा दर

में आय में वृद्धि अधिक स्पष्ट थी जो अपेक्षाकृत स्थिर मध्यकालिक मुद्रास्फीतिक प्रत्याशाओं को दर्शाती है। आय में वर्ष के भीतर हुआ परिवर्तन घरेलू चलनिधि दशाओं, मुद्रास्फीतिक प्रत्याशाओं, कच्चे तेल के मूल्यों में अस्थिरता और अमरीकी आय में परिवर्तन से प्रभावित था। 30 अप्रैल 2005 को 10 वर्षीय प्रतिभूतियों की आय 70 आधार अंक बढ़कर मार्च 2005 के अंत की तुलना मैं तेजी से 7.35 प्रतिशत हो गई। ऐसा कच्चे तेल के बढ़ते वैश्विक मूल्यों और 28 अप्रैल 2005 को रिवर्स रिपो दर में 25 आधार अंक की वृद्धि की पृष्ठभूमि में, अधिक मुद्रास्फीति की आशंका के कारण हुआ। मई और जून 2005 के दौरान पर्याप्त चलनिधि की स्थिति, कम मुद्रास्फीति और अमरीकी ट्रेजरी आय में कमी के कारण आय 30 जून 2005 को कम होकर 6.89 प्रतिशत हो गई। जुलाई 2005 में बाजार थोड़े समय के लिए संभले ,लेकिन अगस्त और दिसम्बर 2005 के बीच आय कमोबेश स्थिर बनी रही। लेकिन, 24 जनवरी 2006 को रिवर्स रेपो और रिपो दरों में 25 आधार अंक की वृद्धि के फलस्वरूप जनवरी 2006 के अंतिम सप्ताह में आय बढ़ी। 10 वर्षीय आय में 31 जनवरी 2006 को 7.28 प्रतिशत की गिरावट के पहले 27 जनवरी 2006 को 7.41 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। फरवरी-मार्च 2006 के अधिकांश भाग में, आय सीमा के अंतर्गत रही। 10 वर्षीय आय 31 मार्च 2006 को 7.53 प्रतिशत कम हुई ,जो अमरीकी आय में वृद्धि को प्रदर्शित करता है। 1 वर्षीय और 10 वर्षीय आय के बीच स्प्रेड मार्च 2006 के अंत में 98 आधार अंक कम हो गया (जो मार्च 2005 के अंत में 114 आधार अंक था), जिससे मुद्रा बाजार में चलनिधि की तंगी का पता चलता है। 10 वर्षीय और 54 वर्षीय आय का स्प्रेड मार्च 2005 के अंत को 30 आधार अंक से घटकर 30 आधार अंक हो गया जो गैर बैंक सहभागियों, जैसे बीमा कंपनियों और पेंशन निधियों की दीर्घकालिक प्रतिभूतियों की बढ़ी हुई मांग को दर्शाता है।

3.52 2005-06 के दौरान वित्तीय बाजार ब्याज दर और मौद्रिक दशाओं में परिवर्तनों के साथ व्यवस्थित रूप से समायोजित हुआ। मुद्रा बाजार 2005-06 की पहली छमाही के दौरान सामान्यत: ठीक रहने के पश्चात, 2005-06 की तीसरी तिमाही में अपेक्षाकृत तंग रहा। आइएमडी के शोधन के कारण, केंद्र के नकदी शेष, ऋण की निरंतर वृद्धि और बाजार चलनिधि दशाएं सापेक्षिक रूप से फरवरी 2006 तक तंग बनी रहीं। मांग मुद्रा दर 2005-06 की चौथी तिमाही के अधिकांश भाग में रिपो दर के आसपास घूमती रही। भारित औसत मांग दर का मासिक औसत जो जनवरी 2006 में 6.83 प्रतिशत था,बढ़कर फरवरी 2006 में 6.93 प्रतिशत हो गया। मार्च 2006 में भारित औसत मांग दर कम होकर 6.58 प्रतिशत हो गई। 61-90 दिवसीय परिपक्वता वाले वाणिज्यिक पत्रों पर भारित औसत बट्टा दर (डब्ल्यूएडीआर) मार्च 2005 के 5.89 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2006 में 8.72 हो गई। अगस्त 2006 तक समान अवधि का वाणिज्यिक पत्रों की भारित औसत बट्टा दर 146 आधार अंक गिरकर 7.26 प्रतिशत हो गई।

जमा लागत और अग्रिमों पर आय

3.53 वर्ष के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमा दरों में वृद्धि के बावजूद, जमाराशियों की लागत में चालू और बचत जमाओं के रूप में कम लागत की जमाओं के हिस्से में वृद्धि के कारण, थोड़ी सी गिरावट आई। जमाओं की लागत में उतार-चढ़ाव उस औसत दर की ओर इंगित करता है जिसपर जमा ब्याज दरों में परिवर्तन के बजाय, विभिन्न जमाराशियों को प्राप्त किया जाता है। लेकिन, उधार की लागत में, मुख्य रूप से बाजार में चलनिधि दशाओं की तंगी के कारण कुछ वृद्धि हुई। निधियों की समग्र लागत पिछले वर्ष के स्तर पर अपरिवर्तित बनी रही। बैंक समूह-वार, जबकि विदेशी बैंकों और नए निजी बैंकों की निधियों की लागत बढ़ी, वहीं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की निधियों की समग्र लागत अपरिवर्तित बनी रही। 2005-06 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के अग्रिमों पर आय थोड़ी सी बढ़ी, इससे उधार देने की दरों में वृद्धि का पता चलता है। दूसरी तरफ, निवेश पर आय पिछले वर्ष के स्तर पर अपरिवर्तित रही। लेकिन, निधियों की समग्र आय, निधियों की समग्र लागत की तुलना में थोड़ी सी अधिक थी, जिससे स्प्रेड में वृद्धि हुई (सारणी III.21)।

आय

3.54 पिछले वर्ष के 3.5 प्रतिशत से तुलना करने पर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की आय 16.8 प्रतिशत बढ़ी। लेकिन, आस्तियों के प्रतिशत के रूप में, 2005-06 में 8.0 की आय 2004-05 के 8.1 से तुलना करने पर थोड़ी सी कम थी। ब्याज आय, जो अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की आय का मुख्य स्रोत है, पिछले वर्ष के 7.9 प्रतिशत की तुलना में, मुख्य रूप से ऋण की बढ़ी हुई मात्रा और ब्याज दरों में वृद्धि के कारण तेजी से 18.4 प्रतिशत बढ़ी (सारणी III.22)। 'अन्य आय' पिछले वर्ष की 12.9 प्रतिशत की गिरावट के विपरीत 9.5 प्रतिशत बढ़ी। आस्ति के प्रतिशत के रूप में, ब्याज आय अपरिवर्तित रही, लेकिन, अन्य आय में थोड़ी सी गिरावट आई।

3.55 पिछले वर्ष की प्रवृत्ति को जारी रखते हुए, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की 'अन्य आय' की संरचना में 2005-06 के दौरान और परिवर्तन हुआ। जबकि वर्ष के दौरान निवेश में ट्रेडिंग आय के हिस्से में गिरावट आई, वहीं फीस आय, विदेशी मुद्रा परिचालनों से आय और विविध आय

सारणी III.21: निधियों की लागत और निधियों पर प्रतिलाभ - बैंक समूहवार

(प्रतिशत)

परिवर्ती / बैंक समूह	सरकारी क्षेत्र के बैंक		निजी क्षेत्र के पुराने बैंक		निजी क्षेत्र के नए बैंक		विदेशी बैंक		अनुसूचित वाणिज्य वाणिज्य बैंक	
	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. जमा की लागत	4.4	4.3	4.6	4.5	3.4	3.6	3.0	2.8	4.2	4.1
2. उधारों की लागत	1.3	2.2	2.7	2.7	1.4	3.1	3.5	4.3	1.7	2.8
3. निधियों की लागत	4.2	4.2	4.6	4.5	3.0	3.5	3.1	3.2	4.0	4.0
4. अग्रिमों पर प्रतिलाभ	6.9	7.1	8.0	7.9	7.3	7.0	7.3	7.6	7.1	7.2
5. निवेशों पर प्रतिलाभ	7.9	8.2	7.7	7.2	5.3	5.5	6.9	7.3	7.6	7.6
6. निधियों पर प्रतिलाभ	6.9	7.1	8.0	7.9	7.3	7.0	7.3	7.6	7.1	7.2
7. अंतर (स्प्रेड) (6-3)	2.8	2.9	3.4	3.4	4.3	3.5	4.2	4.4	3.1	3.2

टिप्पणी : 1. जमा की लागत = जमाराशियों पर प्रदत्त ब्याज/ जमाराशियां
2. उधारों की लागत = उधारों पर प्रदत्त ब्याज/उधार
3. निधियों की लागत = (जमाराशियों पर प्रदत्त ब्याज + उधारों के संबंध में अदा किया गया ब्याज) / (जमाराशियां + उधार)
4. अग्रिमों पर प्रतिलाभ = अग्रिमों पर अर्जित ब्याज / अग्रिम
5. निवेशों पर प्रतिलाभ = निवेश पर अर्जित आय / निवेश
6. निधियों पर प्रतिलाभ = (अग्रिमों पर प्रतिलाभ + निवेशों पर प्रतिलाभ)/ (अग्रिम+निवेश)

में वृद्धि हुई (चार्ट III.12)। 2004-05 और 2005-06 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की ट्रेडिंग आय में, मुख्य रूप से सरकारी प्रतिभूतियों की आय में बढ़ोत्तरी के कारण, गिरावट आई।

3.56 बैंकों की कुल आय में गैर-ब्याज आय का हिस्सा लगातार दूसरे वर्ष 2004-05 के 18.1 प्रतिशत से घटकर 2005-06 में 17.0 प्रतिशत कम हो गया । अगले वर्ष से गिरावट शुरू होने के पहले, गैर-ब्याज आय के हिस्से में 1995-96 के 13.7 प्रतिशत से बढ़कर यह 2003-04 में तेजी से 21.5 प्रतिशत हो गई (चार्ट III.13)। गैर-ब्याज आय की प्रवृत्ति मुख्य रूप से ट्रेडिंग आय के व्यवहार से प्रभावित रही है जो ब्याज दर में उतार-चढ़ाव के पैटर्न का अनुसरण करती है क्योंकि ट्रेडिंग आय के समूह में सरकारी प्रतिभूतियों की ट्रेडिंग से हुई आय को शामिल किया जाता है। बैंकवार आंकड़ों से स्पष्ट है कि तीन को छोड़कर सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों की ट्रेडिंग आय में 2005-06 के दौरान गिरावट हुई।

3.57 पिछले वर्ष में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि से तुलना करने पर बैंक की समग्र आय 2005-06 के दौरान तेजी से 16.8 प्रतिशत

सारणी III.22: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के महत्वपूर्ण वित्तीय संकेतक

(राशि करोड़ रुपए में)

	2003-04		2004-05		2005-06	
	राशि	आस्तियों का प्रतिशत	राशि	आस्तियों का प्रतिशत	राशि	आस्तियों का प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
1. आय	1,83,861	9.3	1,90,236	8.1	2,22,209	8.0
क) ब्याज आय	1,44,333	7.3	1,55,801	6.6	1,84,510	6.6
ख) अन्य आय	39,528	2.0	34,435	1.5	37,698	1.4
2. व्यय	1,61,590	8.2	1,69,278	7.2	1,97,616	7.1
क) खर्च किया गया ब्याज	87,567	4.4	89,079	3.8	1,06,919	3.8
ख) परिचालन व्यय	43,702	2.2	50,133	2.1	58,729	2.1
जिसमें से: वेतन बिल	26,380	1.3	29,479	1.3	33,425	1.2
ग) प्रावधान और आकस्मिक देयताएं	30,322	1.5	30,065	1.3	31,968	1.1
3. परिचालन लाभ	52,593	2.7	51,023	2.2	56,560	2.0
4. निवल लाभ	22,271	1.1	20,958	0.9	24,592	0.9
5. निवल ब्याज आय/मार्जिन (1क-2क)	56,766	2.9	66,722	2.8	77,591	2.8

टिप्पणी : 2003-04, 2004-05 तथा 2005-06 में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की संख्या क्रमशः 90, 88 और 84 थी।

चार्ट III.12: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की ब्याज से इतर आय की संरचना

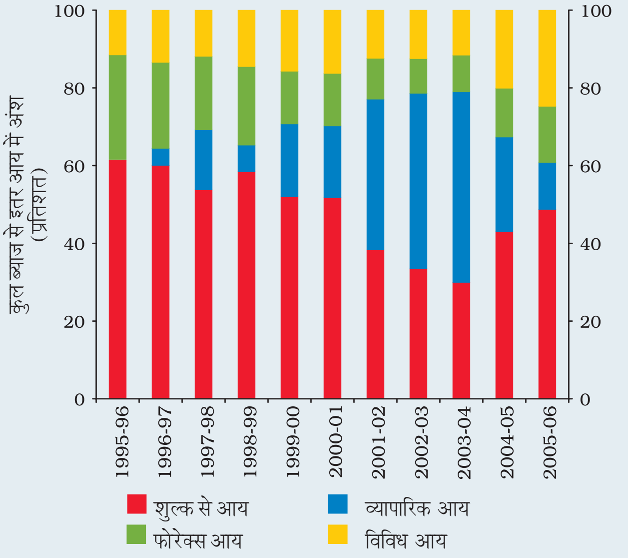

चार्ट III.14: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की आय में उपचय के स्रोत

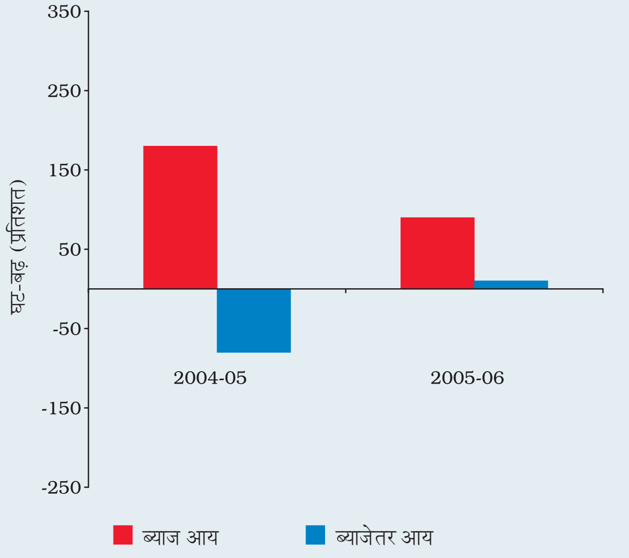

बढ़ी। 2005-06 के दौरान ब्याज और गैर-ब्याज दोनों आय बढ़ीं (चार्ट III.14)।

3.58 बैंक समूहों के बीच, नए निजी क्षेत्र के बैंकों की आय (45.2 प्रतिशत) 2005-06 के दौरान बढ़कर सर्वाधिक दर थी, इसके पश्चात विदेशी बैंकों (33.7 प्रतिशत), सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (15.6 प्रतिशत) और पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों (11.4 प्रतिशत) का हिस्सा था (परिशिष्ट III.15 (क-छ)। वर्ष के दौरान भारतीय स्टेट बैंक समूह और विदेशी बैंकों की ब्याज आय कुल आस्ति अनुपात की तुलना में बढ़ी, जबकि राष्ट्रीयकृत बैंकों और पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों की ब्याज आय घटी।

चार्ट III.13: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की ब्याज तथा ब्याजेतर आय के अंश की प्रवृत्ति

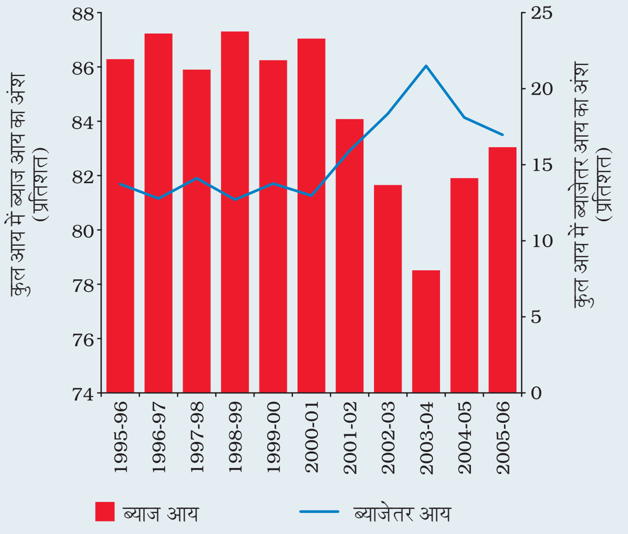

व्यय

3.59 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का व्यय 2004-05 के 4.8 प्रतिशत से तुलना करने पर 2005-06 में उल्लेखनीय रूप से 16.7 प्रतिशत बढ़ा। पिछले दो वर्षों के रुझान को उलटते हुए, मुख्य रूप से उधारों की लागत में वृद्धि के कारण, दिए गए ब्याज में तेजी से 20.0 प्रतिशत (पिछले वर्ष की 1.7 प्रतिशत की वृद्धि से तुलना करने पर) की वृद्धि हुई (सारणी III.23)। गैर ब्याज अथवा परिचालन व्यय पिछले

सारणी III 23: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के आय-व्यय प्रोफाइल में परिवर्तन

(राशि करोड़ रुपए में)

	2004-05		2005-06	
	राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5
1. आय (क + ख)	**6,375**	**3.5**	**31,973**	**16.8**
क) ब्याज आय	11,468	7.9	28,709	18.4
ख) अन्य आय	-5,093	-12.9	3,263	9.5
2. व्यय (क + ख + ग)	**7,687**	**4.8**	**28,339**	**16.7**
क) ब्याज व्यय	1,512	1.7	17,840	20.0
ख) अन्य व्यय	6,432	14.7	8,596	17.1
ग) प्रावधानन	-257	-0.8	1,903	6.3
3. परिचालन लाभ	**-1,569**	**-3.0**	**5,537**	**10.9**
4. निवल लाभ	**-1,313**	**-5.9**	**3,634**	**17.3**

स्रोत : संबंधित बैंकों के तुलनपत्र।

वर्ष के 14.7 प्रतिशत से तुलना करने पर 2005-06 के दौरान 17.1 प्रतिशत बढ़े। ऐसा पिछले वर्ष से तुलना करने पर वेतन बिल में कम वृद्धि के बावजूद हुआ। समग्र लाभप्रदता के दृष्टिकोण से, परिचालन व्ययों को गैर-ब्याज आय के साथ देखे जाने की आवश्यकता है। गैर-ब्याज आय में कम वृद्धि के कारण 2005-06 के दौरान दोनों के बीच अंतर और बढ़ा, अलबत्ता थोड़ा ही। तथापि, बैंकों की देनदारी में (गैर-ब्याज आय से गैर-ब्याज व्यय की अधिकता) 2005-06 के दौरान (2004-05 में 0.7 प्रतिशत से) आस्तियों से थोड़ी सी अधिक आई और यह 0.8 प्रतिशत हो गई। कार्यक्षमता अनुपात (निवल ब्याज आय + गैर-ब्याज आय के प्रतिशत के रूप में परिचालन व्यय) पिछले वर्ष के 49.6 प्रतिशत से गिरकर 50.9 प्रतिशत हो गया ।

3.60 कुल मिलाकर बैंकिंग क्षेत्र का वेतन बिल, पिछले वर्ष के 11.7 प्रतिशत से तुलना करने पर 2005-06 के दौरान 13.4 प्रतिशत बढ़ा। वेतन बिल में कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में (यह 1.3 प्रतिशत से घटकर 1.2 प्रतिशत हो गया) और परिचालन व्यय (58.8 प्रतिशत से 56.9 प्रतिशत) के प्रतिशत दोनों के रूप में कमी आई। वर्ष के दौरान, परिचालन व्ययों के प्रतिशत के रूप में वेतन बिल नए निजी क्षेत्र के बैंकों के मामले में सबसे कम था (27.3 प्रतिशत), इसके पश्चात विदेशी बैंकों (35.1 प्रतिशत) का था, यह अनुपात सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सर्वाधिक था (65.9 प्रतिशत) (चार्ट III.15)। यद्यपि, वर्ष के दौरान सभी बैंक समूहों का वेतन बिल बढ़ा, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए वेतन वृद्धि सर्वाधिक थी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिक वेतन बिल (परिचालन व्ययों के प्रतिशत के रूप में) को कम करने के दृष्टिकोण से यह एक अच्छी बात है।

चार्ट III.15: परिचालन व्यय में वेतन बिल - बैंक समूहवार

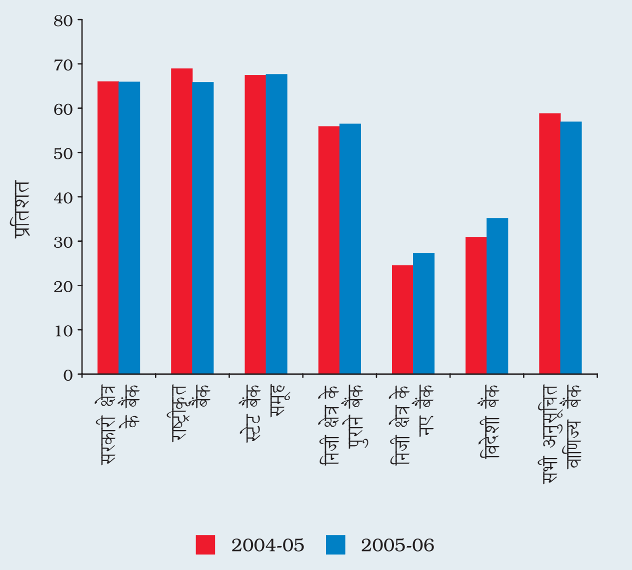

निवल ब्याज आय

3.61 निवल ब्याज आय, जो ब्याज आय और ब्याज व्ययों के बीच अंतर के रूप में परिभाषित की गई है, बैंकों की कार्यक्षमता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवल ब्याज अंतर 2005-06 में अपरिवर्तित (अर्थात 2.8) बना रहा, जिसे अंतरराष्ट्रीय मानकों की तुलना में अधिक माना जा सकता है। विदेशी बैंकों का निवल ब्याज मार्जिन 2005-06 में 3.3 प्रतिशत से बढ़कर 3.5 प्रतिशत हो गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा नए निजी क्षेत्र के बैंकों का निवल ब्याज मार्जिन 2005-06 में स्थिर अर्थात क्रमश: 2.9 और 2.3 प्रतिशत बना रहा।

परिचालन लाभ

3.62 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का परिचालन लाभ पिछले वर्ष के 3.0 प्रतिशत की गिरावट के विपरीत 2005-06 में 10.9 प्रतिशत बढ़ा जो व्यापक तौर पर ब्याज आय में वृद्धि के प्रभाव को दर्शाता है। राष्ट्रीयकृत बैंकों को छोड़कर, सभी बैंक समूहों का परिचालन लाभ 2005-06 के दौरान बढ़ा। कुल आस्ति अनुपात की तुलना में परिचालन लाभ पिछले वर्ष के 2.2 प्रतिशत से घटकर 2005-06 में 2.0 प्रतिशत हो गया। लेकिन, अलग-अलग बैंक स्तर पर यह 11.7 प्रतिशत से (-) 0.5 प्रतिशत की सीमा के बीच व्यापक रूप से भिन्न-भिन्न था।

प्रावधान और आकस्मिक व्यय

3.63 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के प्रावधानों और आकस्मिकताओं में ,2004-05 के दौरान थोड़ी सी गिरावट के विपरीत,2005-06 में 6.3 प्रतिशत की मध्यम वृद्धि दिखी। बैंक समूह-वार, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और विदेशी बैंकों के मामले में प्रावधान और आकस्मिक व्यय बढ़े, लेकिन अन्य बैंक समूह के मामले में घटे। सभी बैंक समूहों के मामले में निवेश के लिए प्रावधान बढ़े। समग्र स्तर पर, ऋण हानियों के लिए प्रावधान तेजी से 11.5 प्रतिशत घटे, वहीं 2005-06 के दौरान निवेशों के मूल्य में ह्रास तेजी से 96.3 प्रतिशत बढ़ा (निवेश उतार-चढ़ाव प्रारक्षित निधि और पूंजी पर्याप्तता के उपखंड को भी देखें)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों द्वारा ऋण हानियों के लिए किए गए प्रावधान घटे, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा किए गए प्रावधान बढ़े। पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों को छोड़कर, सभी बैंक समूहों के लिए निवेशों के मूल्य में ह्रास के प्रावधान घटे।

सारणी III.24: परिचालन लाभ तथा निवल लाभ - बैंक समूहवार

(राशि करोड़ रुपए में)

बैंक समूह	परिचालन लाभ				निवल लाभ			
	2004-05	प्रतिशत घटबढ़	2005-06	प्रतिशत घटबढ़	2004-05	प्रतिशत घटबढ़	2005-06	प्रतिशत घटबढ़
1	2	3	4	5	6	7	8	9
अनुसूचित वाणिज्य बैंक	**51,023**	**-3.0**	**56,560**	**10.9**	**20,958**	**-5.9**	**24,592**	**17.3**
सरकारी क्षेत्र के बैंक	38,761	-1.3	39,142	1.0	15,442	-6.7	16,539	7.1
राष्ट्रीयकृत बैंक	23,121	-7.2	23,011	-0.5	9,459	-13.4	10,021	5.9
स्टेट बैंक समूह	15,279	6.4	15,330	0.3	5,676	1.0	5,956	4.9
सरकारी क्षेत्र के अन्य बैंक	361	–	801	121.8	307	–	561	82.5
निजी क्षेत्र के पुराने बैंक	2,242	-29.9	2,369	5.7	436	-69.9	876	101.1
निजी क्षेत्र के नए बैंक	5,443	6.3	8,388	54.1	3,098	52.2	4,109	32.6
विदेशी बैंक	4,577	-8.2	6,661	45.5	1,982	-11.6	3,069	54.8

उ.न. : उपलब्ध नहीं
स्रोत : संबंधित बैंकों के तुलनपत्र

निवल लाभ

3.64 प्रावधानों और आकस्मिक व्ययों में वृद्धि के बावजूद, निवल लाभ पिछले वर्ष के 5.9 प्रतिशत की कमी के विपरीत 2005-06 के दौरान 17.3 प्रतिशत बढ़े (सारणी III.24)। पिछले वर्ष के लाभ में कमी की प्रवृत्ति को उलटते हुए, 2005-06 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों के निवल लाभ बढ़े। पिछले वर्ष की तुलना में नए निजी क्षेत्र के बैंकों के निवल लाभ घटे।

आस्तियों पर आय

3.65 आस्तियों पर आय उस दक्षता का सूचक है जिससे बैंक अपनी आस्तियों का नियोजन करते हैं। 2005-06 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के आस्ति अनुपात की तुलना में निवल लाभ लगभग अपरिवर्तित रहे। 2005-06 के दौरान पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों की आस्तियों पर आय पिछले वर्ष की कमी के विपरीत, बढ़ी। लेकिन, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और नए निजी क्षेत्र के बैंकों की आस्तियों पर आय थोड़ी सी घटी।

इक्विटी पर आय

3.66 2005-06 में इक्विटी पर आय ,जो पूंजी के प्रयोग में बैंकिंग संस्थाओं की दक्षता का सूचक है, गिरकर 12.7 प्रतिशत हो गई, जिससे मुख्य रूप से उच्चतर पूंजी आधार के प्रभाव का पता चलता है (चार्ट III.17)।

3.67 बैंक समूहों के वाणिज्यिक बैंकों के वित्तीय निष्पादन के विस्तृत आंकड़े परिशिष्ट सारणी III.13 से III.24 में दिए गए हैं।

चार्ट III.16: बैंक समूहवार निवल लाभप्रदता

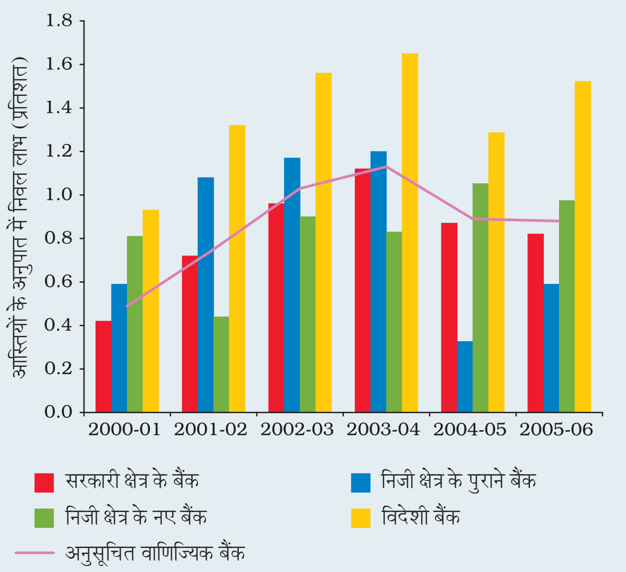

चार्ट III.17: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की इक्विटी पर प्रतिलाभ

5. सुदृढ़ता के संकेतक

3.68 पूंजी और आस्ति की गुणवत्ता, जो किसी वित्तीय संस्था की सुदृढ़ता को दर्शाने वाले दो प्रमुख मानदंड माने जाते हैं, पिछले वर्षों में स्थिरतापूर्वक सुधरी है (चार्ट III.18)। पूंजी अनुपात की तुलना में निवल अनर्जक ऋण का अनुपात, जिसे सबसे खराब स्थिति का मापक माना जाता है, पिछले वर्ष के स्तर अर्थात 15.5 प्रतिशत पर बना रहा। तथापि ,मार्च 1999 के अंत में 71.3 प्रतिशत से तुलना करने पर यह काफी कम था।

चार्ट III.18:अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के सीआरएआर और एनपीए में उतार-चढ़ाव

(मार्च के अंत में)

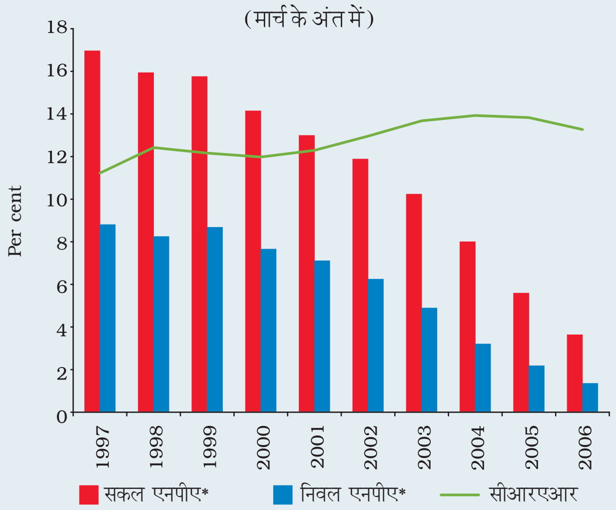

*: अग्रिमों के अनुपात के रूप में

आस्ति गुणवत्ता

3.69 ऋण वृद्धि की तेजी आस्ति गुणवत्ता में काफी सुधार के साथ-साथ जारी रही। वर्तमान रुझान के क्रम में, 2005-06 के दौरान अनर्जक आस्तियों की वसूलियों ने वर्ष के दौरान नए उपचयों को पीछे छोड़ दिया (सारणी III.25)। यह प्रवृत्ति सभी बैंक समूहों में देखी गई। 2005-06 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के सकल एनपीए में 7,309 करोड़ रुपए की गिरावट हुई, जो पिछले वर्ष में 6,561 करोड़ रुपए की गिरावट के अतिरिक्त थी।

3.70 अशोध्य ऋणों से निपटने के लिए बैंकों के पास अनेक विकल्प उपलब्ध थे और देश में सुधरे हुए औद्योगिक वातावरण से वर्ष के दौरान एनपीए की काफी राशि वसूलने में मदद मिली (सारणी III.26)। बैंकों को यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से सलाह दी गई कि अशोध्य ऋणों को कम करते समय एनपीए की वसूली बट्टे खाते डाले गए ऋण की मात्रा से अधिक होनी चाहिए। पिछले वर्ष के 25,007 करोड़ की तुलना में वसूली गई और बट्टे खाते ड़ाली गई कुल राशि 2005-06 के दौरान बढ़कर 28,717 करोड़ रुपए हो गई।

3.71 प्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों के मामले में, वसूली दर जून 2005 को समाप्त वर्ष में उल्लेखनीय रूप से सुधरकर 84.1 प्रतिशत हो गई (सारिणी III.27)

सारणी III.25: अनर्जक आस्तियों में बैंक समूहवार उतार चढ़ाव

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (84)	सरकारी क्षेत्र के बैंक (28)	राष्ट्रीयकृत बैंक (20)	स्टेट बैंक समूह (8)	निजी क्षेत्र के पुराने बैंक (19)	निजी क्षेत्र के नए बैंक (8)	विदेशी बैंक (29)
1	2	5	3	4	6	7	8
सकल अनर्जक आस्तियाँ							
मार्च 2005 के अंत में	59,124	48,406	31,587	15,602	4,190	4,336	2,191
वर्ष के दौरान वृद्धि	21,408	16,740	9,255	5,601	1,217	2,358	1,091
वर्ष के दौरान वसूले गए और बट्टे खाते डाले गए	28,717	23,040	13,141	7,915	1,667	2,653	1,355
31 मार्च 2006 को	51,815	42,106	27,701	13,288	3,740	4,042	1,927
निवल अनर्जक आस्तियां							
मार्च 2005 के अंत में	21,638	16,903	9,693	6,362	1,845	2,240	648
मार्च 2006 के अंत में	18,529	14,560	7,930	6,067	1,367	1,793	807
ज्ञापन :							
सकल अग्रिम	15,51,491	11,34,724	6,99,408	3,78,993	85,267	2,32,536	98,965
निवल अग्रिम	15,15,669	11,06,128	7,34,608	3,71,520	81,980	2,30,005	97,555
अनुपात							
सकल अनर्जक आस्तियाँ/सकल अग्रिम	3.34	3.71	3.96	3.51	4.31	1.74	1.95
निवल अनर्जक आस्तियाँ/निवल अग्रिम	1.22	1.32	1.08	1.63	1.64	0.78	0.83

स्रोत : संबंधित बैंकों के तुलन-पत्र।
टिप्पणी : कोष्ठकों के आंकड़े बैंकों की संख्या दर्शाते हैं।

सारणी III.26: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा विविध माध्यमों के जरिए सुधारे गए एनपीए

(राशि करोड़ रुपए)

मद	2004-05			2005-06		
	संदर्भित मामलों की संख्या	शामिल राशि	वसूली गई राशि	संदर्भित मामलों की संख्या	शामिल राशि	वसूली गई राशि
1	2	3	4	5	6	7
i) एक बारगी निपटान/सुलह योजनाए*	–	–	–	10,262	772	608
ii) *लोक अदालत*	1,85,395	801	113	181,547	1,101	223
iii) डीआरटी	4,744	14,317	2,688	3,524	6,123	4,710
iv) सरफेसी अधिनियम	39,288 #	13,224	2,391	38,969 #	9,831	3,423

* : सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा लघु तथा मध्यम उद्यम खाते के लिए एकबारगी निपटान योजना जून 2006 के अंत तक थी।
# : सरफेसाई अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिसों की संख्या।

3.72 रिज़र्व बैंक ने अभी तक चार प्रतिभूतिकरण कंपनियों /पुनर्निमाण कंपनियों को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किए हैं जिनमें से तीन ने अपना कार्य आरंभ कर दिया है। 2003 में आस्ति पुनर्निमाण कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (एक्रिल) की स्थापना ने बैंकों की अर्नजक आस्तियों की वसूली के प्रयासों को बहुत अधिक प्रोत्साहित किया है।आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों द्वारा भारतीय बैंकिंग प्रणाली के एनपीए के समाधान की दृष्टि से और समस्याग्रस्त आस्तियों के प्रबंधन में अन्तरराष्ट्रीय अनुभववाली विदेशी संस्थाओं की विशेषज्ञता और संसाधनों के माध्यम से एनपीए के बेहतर भाग की वसूली के लिए बैंकों की क्षमताओं को बढ़ाने हेतु भारत सरकारने रिज़र्व बैंक में पंजीकृत प्रतिभूतिकरण कंपनियों / आस्ति पुनर्निमाण कंपनियों की इक्विटी पूँजी में 49 प्रतिशत तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को अनुमति प्रदान की है। अब तक, रिज़र्व बैंक में पंजीकृत किसी भी प्रतिभूतिकरण कंपनी / आस्ति पुनर्निमाण कंपनी को इक्विटी में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश सहभागिता प्राप्त नहीं हुई है।

3.73 2005-06 के दौरान,आस्ति पुनर्निमाण कंपनी को 31 बैंकों / वित्तीय संस्थाओं से 559 एनपीए प्राप्त हुए जिनकी कुल देय राशि 21,126 करोड़ रुपए थी (सारणी III.28)। आस्ति पुनर्निमाण कंपनी को प्राप्त आस्तियों का पोर्टफोलियो बड़े उद्योग खंड, जो स्टॉक बाजार में सामान्य रूप से भली भांति कार्य कर रहे थे, के बीच बँटा था। प्रबंधन के अंतर्गत आस्तियों का लगभग 78 प्रतिशत पूर्णत: / अंशतः परिचालनगत था।

अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान में उतार-चढ़ाव

3.74 जबकि सकल एनपीए में, 2005-06 के दौरान मात्रा की दृष्टि से 7,295 करोड़ रुपए की गिरावट आई, निवल एनपीए में अपेक्षाकृत कम अर्थात 3,109 करोड़ रुपए की गिरावट आई। अधिक मात्रा में बट्टे खाते ड़ालने और अधिक मात्रा में पुनरांकन के मामले, पुराने निजी क्षेत्र और नए निजी क्षेत्र के बैंकों को छोड़कर, वर्ष के दौरान सभी बैंक समूहों के लिए अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा किए गए प्रावधानों की तुलना में अधिक थे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों के संचयी प्रावधान एक वर्ष पहले के स्तर की तुलना में मार्च 2006 के अंत में कम रहे जबकि वे निजी क्षेत्र के बैंकों (पुराने और नए दोनों), के मामले में अधिक थे। एनपीए के प्रतिशत के रूप में संचयी प्रावधान मार्च 2005 के अंत में 60.3 प्रतिशत से गिरकर मार्च 2006 के अंत में 58.9 प्रतिशत हो गए। यह सुदृढ़ समष्टि आर्थिक वातावरण की पृष्ठभूमि में वसूली वातावरण के सुधरने का संकेतक है। मार्च 2006 के अंत में सकल एनपीए की तुलना में संचयी प्रावधान अनुपात राष्ट्रीयकृत बैंकों के मामले में सर्वाधिक था, इसके पश्चात पुराने निजी बैंकों, नए निजी बैंकों, विदेशी बैंकों और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया समूह का स्थान था (सारणी III.29)।

सारणी III.27: सरकारी क्षेत्र के बैंकों के प्रत्यक्ष कृषि अग्रिम की वसूली

(राशि करोड़ रुपए)

जून को समाप्त वर्ष	मांग	वसूली	अतिदेयताएं	मांग से वसूली का प्रतिशत
1	2	3	4	5
2003	28,940	21,011	7,929	72.6
2004	33,544	25,002	8,542	74.5
2005	35,192	29,612	5,580	84.1

3.75 एनपीए की अधिक वसूली, नई चूकों में गिरावट और अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों और अग्रिमों में तेज वृद्धि के कारण, सकल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए का अनुपात मार्च 2005 के अंत में 5.2 प्रतिशत से गिरकर मार्च 2006 के अंत में 3.3 प्रतिशत हो

सारणी III.28: भारतीय आस्ति पुनर्निर्माण निगम द्वारा अधिगृहीत वित्तीय आस्तियों के विवरण
(31, मार्च 2006 को)

(राशि करोड़ रुपए)

बैंक/वित्तीय संस्थाएं	मामलों की संख्या	प्रधान ऋण अभिगृहित किया	ब्याज तथा अन्य प्रभार	कुल बकाया खरीद
1	2	3	4	5
सरकारी क्षेत्र के बैंक	599	3,638	3,917	7,555
निजी क्षेत्र के पुराने बैंक	34	186	150	336
निजी क्षेत्र के नए बैंक	152	5,037	4,727	9,764
वित्तीय संस्थाएं	51	1,460	2,011	3,471
कुल	**559**	**10,321**	**10,805**	**21,126**

सारणी III.29 : अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधानों में उतार चढ़ाव - बैंक समूह-वार

(राशि करोड़ रुपए)

मद	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (84)	सरकारी क्षेत्र के बैंक (28)	राष्ट्रीयकृत बैंक (19)	स्टेट बैंक समूह (8)	सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (19)	निजी क्षेत्र के नए बैंक (8)	विदेशी बैंक (29)
1	2	3	4	5	6	7	8
एनपीए के लिए प्रावधान							
मार्च 2005 के अंत तक	34,456	28,857	20,185	8,303	2,157	2,067	1,374
जोड़िएः वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	8,963	6,272	4,350	419	540	1,509	640
घटाइए :वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाले गए, अधिक के लिए	12,912	10,082	6,364	2,399	447	1,363	1,018
पुनः लिखे गए मार्च 2006 के अंत में	30,507	25,047	18,171	6,323	2,249	2,212	997
ज्ञापन :							
सकल अनर्जक आस्तियाँ	51,753	42,106	27,701	13,288	3,678	4,042	1,927
अनुपात							
सकल अनर्जक आस्तियों के संचयी प्रावधान (प्रतिशत)	58.9	59.5	65.6	47.6	61.2	54.7	51.8

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े वर्ष 2005-06 के लिए उस समूह में बैंकों की संख्या को दर्शाते हैं।
स्रोत : संबंधित बैंकों के तुलन-पत्र।

गया । इसी तरह, निवल अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में निवल एनपीए मार्च 2005 के अंत में 2.0 प्रतिशत से गिरकर1.2 प्रतिशत हो गया। सभी बैंक समूहों के मामले में सकल और निवल एनपीए में उल्लेखनीय गिरावट दिखी [सारणी III.30 और परिशिष्ट III.25 और 26)।]

सारणी III.30: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की बैंक समूह वार सकल तथा निवल अनर्जक आस्तियाँ
(मार्च केअंत में)

(राशि करोड़ रुपए)

बैंक समूह / वर्ष	सकल अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां			निवल अगिम	निवल अनर्जक आस्तियां		
		राशि	सकल अग्रिमों से प्रतिशत	कुल आस्तियों से प्रतिशत		राशि	सकल अग्रिमों से प्रतिशत	कुल आस्तियो से प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8	9
अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक								
2003	7,78,043	68,717	8.8	4.1	7,40,473	29,692	4.0	1.8
2004	9,02,026	64,785	7.2	3.3	8,62,643	24,396	2.8	1.2
2005	11,52,682	59,373	5.2	2.5	11,15,663	21,754	2.0	0.9
2006	15,51,378	51,816	3.3	1.9	15,15,669	18,529	1.2	0.7
सरकारी क्षेत्र के बैंक								
2003	5,77,813	54,090	9.4	4.2	5,49,351	24,877	4.5	1.9
2004	6,61,975	51,538	7.8	3.5	6,31,383	19,335	3.1	1.3
2005	8,77,825	48,399	5.5	2.7	8,48,912	16,904	2.1	1.0
2006	11,34,724	42,106	3.7	2.1	11,06,128	14,561	1.3	0.7
निजी क्षेत्र के पुराने बैंक								
2003	51,329	4,550	8.9	4.3	49,436	2,548	5.2	2.5
2004	57,908	4,393	7.6	3.6	55,648	2,142	3.8	1.8
2005	70,412	4,200	6.0	3.1	67,742	1,859	2.7	1.4
2006	85,154	3,740	4.3	2.5	81,980	1,368	1.6	0.9
निजी क्षेत्र के नए बैंक								
2003	94,718	7,232	7.6	3.8	89,515	1,365	1.5	0.7
2004	1,19,511	5,961	5.0	2.4	1,15,106	1,986	1.7	0.8
2005	1,27,420	4,582	3.6	1.6	1,23,655	2,353	1.9	0.8
2006	2,32,536	4,042	1.7	1.0	2,30,005	1,793	0.8	0.4
विदेशी बैंक								
2003	54,184	2,845	5.3	2.4	52,171	903	1.7	0.8
2004	62,632	2,894	4.6	2.1	60,506	933	1.5	0.7
2005	77,026	2,192	2.8	1.4	75,354	639	0.8	0.4
2006	98,965	1,927	1.9	1.0	97,555	808	0.8	0.4

स्रोत : संबंधित बैंकों के तुलनपत्र।

सारणी III.31: निवल अग्रिमों के साथ निवल अनर्जक आस्तियों के अनुपात द्वारा अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का वितरण

(बैंकों की संख्या)

बैंक समूह	मार्च के अंत में				
	2002	2003	2004	2005	2006
1	2	3	4	5	6
सरकारी क्षेत्र के बैंक	**27**	**27**	**27**	**28**	**28**
2 प्रतिशत तक	0	4	11	19	23
2 प्रतिशत से अधिक और 5 प्रतिशत तक	11	14	13	7	5
5 प्रतिशत से अधिक और 10 प्रतिशत तक	13	7	3	2	0
10 प्रतिशत से अधिक	3	2	0	0	0
निजी क्षेत्र के पुराने बैंक	**21**	**20**	**20**	**20**	**19**
2 प्रतिशत तक	2	2	2	4	11
2 प्रतिशत से अधिक और 5 प्रतिशत तक	2	4	9	12	7
5 प्रतिशत से अधिक और 10 प्रतिशत तक	12	12	7	4	1
10 प्रतिशत से अधिक	5	2	2	0	0
निजी क्षेत्र के नए बैंक	**9**	**9**	**10**	**9**	**8**
2 प्रतिशत तक	1	2	4	5	6
2 प्रतिशत से अधिक और 5 प्रतिशत तक	3	2	5	3	2
5 प्रतिशत से अधिक और 10 प्रतिशत तक	5	4	0	1	0
10 प्रतिशत से अधिक	0	1	1	0	0
विदेशी बैंक	**42**	**36**	**33**	**31**	**29**
2 प्रतिशत तक	24	19	22	23	26
2 प्रतिशत से अधिक और 5 प्रतिशत तक	4	3	2	2	0
5 प्रतिशत से अधिक और 10 प्रतिशत तक	1	6	3	2	0
10 प्रतिशत से अधिक	13	8	6	4	3

3.76 मार्च 2006 के अंत में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों के निवल अग्रिमों की तुलना में एनपीए का अनुपात 2 प्रतिशत से कम था। नए निजी बैंकों और विदेशी बैंकों के एनपीए 0.8 प्रतिशत थे। मार्च 2006 के अंत में 84 (पिछले वर्ष के 88 के विपरीत) में से 66 बैंकों (पिछले वर्ष के 51 के विपरीत) के निवल अग्रिम की तुलना में निवल एनपीए 2 प्रतिशत से कम थे। केवल चार बैंकों के, जिनमें तीन विदेशी बैंक थे, निवल एनपीए ,पिछले वर्ष के 13 प्रतिशत की तुलना में 5 प्रतिशत से अधिक थे (सारणी III.31)। सात बैंकों को छोड़कर, 2005-06 के दौरान सभी अनुसूचित बैंकों के अग्रिम की तुलना में एनपीए के अनुपात में सुधार हुआ (परिशिष्ट सारणी III.25 और 26)।

3.77 सभी श्रेणियों अर्थात, 'अवमानक', 'संदिग्ध' और 'हानि' में एनपीए के अनुपात में गिरावट देखी गई। दो श्रेणियों ('हानि' और 'संदिग्ध') में मात्रा की दृष्टि से एनपीए में गिरावट आई। 'अवमानक' कोटि में एनपीए में थोड़ी सी वृद्धि हुई। पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों, जिनमें 'अवमानक' आस्तियां कम हुई ; और नए निजी क्षेत्र के बैंकों, जिनमें हानि आस्तियां थोड़ी सी बढ़ीं, को छोड़कर सभी बैंक समूहों में कमोबेश यही स्थिति देखी गई (सारणी III.32)।

क्षेत्रवार एनपीए

3.78 सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के एनपीए को तीन बड़े क्षेत्रों में बाँटा गया है : प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र और गैर-प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र। 2005-06 के दौरान दो क्षेत्रों (प्राथमिकता प्राप्त और गैर प्राथमिकता प्राप्त) में एनपीए घटा जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह बढ़ा। कुछ गिरावट के बावजूद, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में एनपीए सर्वाधिक थे, इसके ठीक पश्चात गैर-प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र था। पिछले वर्ष, गैर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में एनपीए सर्वाधिक थे (सारणी III.33)। नए निजी क्षेत्र के बैंकों के मामले में, कृषि क्षेत्र का एनपीए बढ़ा, जबकि वर्ष के दौरान सभी बैंक समूहों के लघु उद्योग क्षेत्र में एनपीए घटा [परिशिष्ट सारणी III.27 (क और ख) और 28 (क और ख)]।

निवेशों पर मूल्य ह्रास के लिए प्रावधानों में घट-बढ़

3.79 वर्ष के दौरान निवेशों पर मूल्यह्रास के प्रावधान 30.6 प्रतिशत बढ़े। वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान, बट्टे खाते डाले गए और अधिक प्रावधानों के राइट बैक से अधिक थे जिसके परिणामस्वरूप

सारणी III.32: ऋण आस्तियों का वर्गीकरण-बैंक समूहवार

(मार्च के अंत में)

(राशि करोड़ रुपए)

बैंक समूह/वर्ष	मानक आस्तियाँ		अवमानक आस्तियाँ		संदिग्ध आस्तियाँ		हानि आस्तियाँ		कुल अनर्जक		कुल अग्रिम
	राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत	राशि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक											
2003	7,09,260	91.2	20,078	2.6	39,731	5.1	8,971	1.1	68,780	8.8	7,78,040
2004	8,37,130	92.9	21,026	2.3	36,247	4.0	7,625	0.9	64,898	7.2	9,02,027
2005	10,93,523	94.9	14,016	1.2	37,763	3.3	7,382	0.6	59,161	5.1	11,52,684
2006	14,99,431	96.7	14,826	1.0	30,105	2.0	7,016	0.4	51,947	3.3	15,51,378
सरकारी क्षेत्र के बैंक											
2003	5,23,724	90.6	14,909	2.6	32,340	5.6	6,840	1.1	54,089	9.4	5,77,813
2004	6,10,435	92.2	16,909	2.5	28,756	4.4	5,876	0.9	51,541	7.8	6,61,975
2005	8,30,029	94.6	11,068	1.3	30,779	3.5	5,929	0.7	47,796	5.4	8,77,825
2006	10,92,607	96.2	11,453	1.0	25,028	2.2	5,636	0.5	42,117	3.7	11,34,724
निजी क्षेत्र के पुराने बैंक											
2003	46,761	91.1	1,474	2.9	2,772	5.4	321	0.6	4,567	8.9	51,328
2004	53,516	92.4	1,161	2.0	2,727	4.7	504	0.9	4,392	7.6	57,908
2005	66,212	94.0	784	1.1	2,868	4.0	549	0.8	4,201	6.0	70,413
2006	81,414	95.6	710	0.8	2,551	3.0	479	0.6	3,740	4.4	85,154
निजी क्षेत्र के नए बैंक											
2003	87,487	92.3	2,700	2.9	3,675	3.9	856	0.9	7,231	7.6	94,718
2004	1,13,560	95.0	1,966	1.6	3,665	3.0	321	0.3	5,952	5.0	1,19,512
2005	1,22,577	96.2	1,449	1.1	3,061	2.4	334	0.3	4,844	3.8	1,27,421
2006	2,28,504	98.3	1,717	0.7	1,855	0.8	460	0.2	4,032	1.8	2,32,536
विदेशी बैंक											
2003	51,288	94.7	995	1.8	944	1.7	954	1.8	2,893	5.3	54,181
2004	59,619	95.1	990	1.6	1,099	1.8	924	1.5	3,013	4.8	62,632
2005	74,705	97.0	715	1.0	1,035	1.3	570	0.7	2,320	3.0	77,025
2006	96,907	98.0	946	1.0	670	0.7	441	0.5	2,057	2.0	98,965

टिप्पणी : कोष्ठकों के आंकड़े वर्ष 2004-05 में उस समूह में बैंकों की संख्या दर्शाते हैं।

स्रोत : संबंधित बैंकों द्वारा प्रस्तुत डीबीएस विवरणियां (बीएसए)।

मार्च 2006 के अंत के प्रावधान मार्च 2005 के अंत के प्रावधानों की राशि के लगभग दोगुने से अधिक थे। इस प्रकार, बैंकों ने अपने निवेश पोर्टफोलियो को सुरक्षित करने के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है (सारणी III.34)।

सारणी III.33: क्षेत्रवार अनर्जक आस्तियाँ - बैंक समूहवार

(मार्च के अंत में)

(राशि करोड़ रुपए)

क्षेत्र	सरकारी क्षेत्र के बैंक		निजी क्षेत्र के पुराने बैंक		निजी क्षेत्र के नए बैंक		सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक*	
	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06
1	2	3	4	5	6	7	8	9
अ. प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र	23,397	22,374	182	1,632	407	652	25,586	24,658
i) कृषि	7,254	6,203	304	265	161	250	7,719	6,718
ii) लघु उद्योग	7,835	6,917	792	656	172	152	8,799	7,725
iii) अन्य	8,308	9,253	686	711	73	251	9,067	10,215
ख. सरकारी क्षेत्र	450	340	8	1	34	3	493	345
ग. गैर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	23,849	18,664	2,444	2,078	4,125	3,463	30,417	24,205
कुल (क+ख+ग)	**47,696**	**41,378**	**4,234**	**3,711**	**4,566**	**4,118**	**56,496**	**49,208**

* : विदेशी बैंकों को छोड़कर।

स्रोत : बैंकों द्वारा प्रस्तुत परोक्ष विवरणियों के आधार पर।

सारणी III.34: निवेशों के मूल्यह्रास पर प्रावधानों में बैंक समूहवार उतार -चढ़ाव

(राशि करोड़ रुपए)

विवरण	अनुसूचित वाणिज्य बैंक (83)	राष्ट्रीयकृत बैंक (28)	राष्ट्रीयकृत बैंक (19)	स्टेट बैंक समूह (8)	पुराने निजी क्षेत्र बैंक (19)	नए निजी क्षेत्र बैंक (8)	विदेशी बैंक (29)
1	2	5	3	4	6	7	8
निवेशों पर मूल्यह्रास के बारे में प्रावधान							
मार्च 2005 के अंत में	8,333	6,474	1,854	4,576	401	668	790
जोडिए: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	10,861	9,716	4,233	5,285	180	272	693
घटाइए:वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाले गए अधिक के लिए पुनः लिखे गए	2,849	2,463	1,169	1,277	169	192	25
मार्च 2006 के अंत में	16,345	13,726	4,918	8,584	412	748	1,459

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े वर्ष 2005-06 के लिए उस समूह में बैंकों की संख्या को दर्शाते हैं।
स्रोत : संबंधित बैंकों के तुलन-पत्र।

निवेश उतार-चढ़ाव प्रारक्षित निधि

3.80 चूँकि खज़ाना के लाभ ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए बैंकों को सलाह दी गई कि वे अपने खज़ाना आय का एक हिस्सा निवेश उतार-चढ़ाव प्रारक्षित निधि (आइएफआर) के रूप में अलग रखें। आइएफआर, जिसे पुनर्मूल्यन रिजर्व के रूप में तैयार किया गया है, सीमा से नीचे रहने वाली मद है और निवल लाभ पर प्रभार है। तथापि, मार्च 2007 के अंत तक बासेल II को लागू करने की दृष्टि से, रिजर्व बैंक ने अक्तूबर 2005 में सलाह दी कि उन बैंकों को, जो ऋण जोखिम और बाजार जोखिम दोनों - के लिए 31 मार्च 2006 की स्थिति के अनुसार 'लेनदेन के लिए धारित' (एचएफटी) और बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस)- दोनों वर्गों के लिए, जोखिम भारित आस्तियों का कम से कम 9 प्रतिशत पूँजी के रूप में रखेंगे, आइएफआर में पूरे शेष को टियर I पूँजी के रूप में मानने की अनुमति दी जाएगी। इस प्रयोजन के लिए बैंक आइएफआर में रखे शेष को सांविधिक आरक्षित निधि, सामान्य आरक्षित निधि अथवा लाभ और हानि खाते के शेष में अंतरित कर सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के अनेक बैंकों और नए निजी क्षेत्र के बैंकों ने अपने समस्त आइएफआर शेषों को लाभ और हानि विनियोजन खाता, सांविधिक आरक्षित निधि, सामान्य आरक्षित निधि अथवा लाभ और हानि खाते के शेषों में अंतरित किया। मार्च 2006 के अंत में, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का आइएफआर अनुपात (एचएफटी और एएफएस वर्गों के अंतर्गत निवश के प्रतिशत के रूप में आइएफआर) मार्च 2005 के अंत के 4-4 प्रतिशत से तीव्रतापूर्वक गिरकर 0.1 प्रतिशत नीचे आ गया (सारणी III.35 और परिशिष्ट सारणी III.29)।

पूंजी पर्याप्तता

3.81 सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का जोखिम भारित आस्तियों के प्रति समग्र पूँजी अनुपात (सीआरएआर) मार्च 2005 के अंत के 12.8 प्रतिशत से थोड़ा सा घटकर मार्च 2006 के अंत में 12.4 प्रतिशत हो गया। तथापि, यह अनुपात 9.0 प्रतिशत के निर्धारित न्यूनतम से काफी

सारणी III.35: बैंक समूहवार निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि
(मार्च 2006 के अंत में)

(राशि करोड़ रुपए)

बैंक समूह	निवेश		निवेश घट-बढ (एएफएस+एचएफटी)	
	बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस)	व्यापार के लिए धारित (एचएफटी)	प्रारक्षित निधि (आइएफआर)	के अनुपात के रुप मे आइएफआर
1	2	3	4	5
अनुसूचित वाणिज्य बैंक	3,83,649	23,092	1,334	0.3
सरकारी क्षेत्र के बैंक	2,77,930	2,147	625	0.2
राष्ट्रीकृत बैंक	1,70,372	679	625	0.4
स्टेट बैंक समूह	99,414	179	0	0.0
अन्य सरकारी क्षेत्र बैंक	8,143	1,288	0	0.0
निजी क्षेत्र के पुराने बैंक	18,979	176	416	2.2
निजी क्षेत्र के नए बैंक	46,752	10,612	0	0.0
विदेशी बैंक	39,988	10,157	294	0.6

स्रोत : संबंधित बैकों के तुलनपत्र।

सारणी III.36: जोखिम भारित आस्तियों के प्रति पूंजी अनुपात - घटकवार
(मार्च 2006 के अंत में)

(राशि करोड़ रुपए)

मद / वर्ष	2004	2005	2006
1	2	3	4
अ. पूंजीगत निधियां (i+ii)	1,25,249	1,65,928	2,21,363
i) टियर I पूंजी	78,550	1,08,949	1,66,538
जिसमें से :			
प्रदत्त पूंजी	22,022	25,724	25,142
रिजर्व	65,948	91,320	1,41,592
अनाबंटित विप्रेषणीय अधिशेष	4,983	6,937	11,075
टियर I पूंजी के लिए कटौतियां	14,403	15,031	11,271
ii) टियर II पूंजी	46,699	56,979	54,825
जिसमें से :			
बट्टाकृत गौण/ ऋण	20,011	26,291	43,214
निवेश घटबढ़ रिजर्व	19,032	21,732	1,334
ख. जोखिम भारित आस्तियों	9,69,886	1,29,6,223	17,97,207
जिसमें से			
जोखिम भारित ऋण और अग्रिम	6,59,921	9,19,544	12,38,163
ग. सीआरएआर (ख के प्रतिशत के रुप में क)	12.9	12.8	12.3
जिसमें से :			
टियर- I	8.1	8.4	9.3
टियर- II	4.8	4.4	3.1

स्रोत : बैंकों द्वारा प्रस्तुत ऑफ-साइट विवरणियां (आंकडे घरेलू)।

ऊपर बना रहा (सारणी III.36)।वर्ष के दौरान सीआरएआर में थोड़ी कमी को निम्नलिखित के परिप्रेक्ष्य में देखने लिए की आवश्यकता है (i) मार्च 2006 से बाजार जोखिम के लिए पूंजी प्रभार लगाना (ii) उच्चतर ऋण वृद्धि (आंशिक रूप से जोखिम मुक्त आस्तियों के अंतरण के कारण) के कारण जोखिम-भारित आस्तियों में तीव्र वृद्धि, (iii) वैयक्तिक ऋण, भूमि-भवन और पूंजी बाजार निवेश के लिए जोखिम भारों में वृद्धि।

3.82 टियर II पूंजी से निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि के अंतरण के कारण, और आंशिक रूप से आरक्षित निधि और अधिशेषों में वृद्धि के

चार्ट III.19: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का सीआरएआर
(मार्च के अंत में)

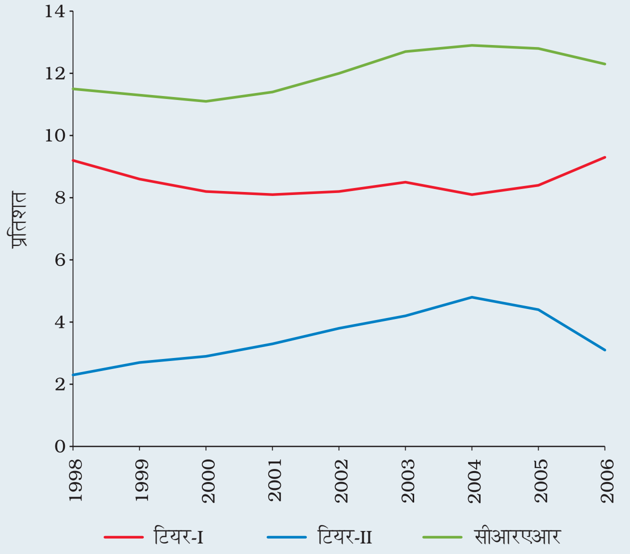

कारण, तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय- दोनों पूंजी बाजारों से संसाधन जुटाने के कारण टियर I पूँजी पर्याप्तता अनुपात मार्च 2005 के 8.4 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2006 में 9.3 प्रतिशत हो गया (चार्ट III.19)। उच्चतर टियर I अनुपात, टियर II मार्ग के माध्यम से पूँजी निधियां जुटाने के लिए अधिक गुंजाइश का सूचक है।

3.83 बैंक समूहों के बीच, नए निजी क्षेत्र के बैंकों का सीआरएआर सुधरा, जबकि अन्य सभी बैंक समूहों का गिरा। राष्ट्रीयकृत बैंकों का सीआरएआर, जिसमें पिछले वर्ष थोड़ा सा सुधार हुआ, मार्च 2006 के अंत में उद्योग औसत से नीचे गिरा ; स्टेट बैंक समूह और पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों का सीआरएआर उद्योग औसत से कम रहा। मार्च 2006 के अंत में विदेशी बैंकों का सीआरएआर घटकर 13.0 प्रतिशत हो जाने के बावजूद, अब भी उद्योग औसत की तुलना में अधिक था (सारणी III.37)। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सीआरएआर, अग्रिमों में अधिक वृद्धि, कुछ संवेदनशील क्षेत्रों के

सारणी III.37: पूंजी पर्याप्तता अनुपात - बैंक समूहवार
(मार्च 2006 के अंत में)

(प्रतिशत)

बैंक समूह	1999	2000	2001	2002	2003	2004	2005	2006
1	2	3	4	5	6	7	8	9
अनुसूचित वाणिज्य बैंक	11.3	11.1	11.4	12.0	12.7	12.9	12.8	12.3
सरकारी क्षेत्र के बैंक	11.3	10.7	11.2	11.8	12.6	13.2	12.9	12.2
राष्ट्रीकृत बैंक	10.6	10.1	10.2	10.9	12.2	13.1	13.2	12.3
स्टेट बैंक समूह	12.3	11.6	12.7	13.3	13.4	13.4	12.4	11.9
पुराने निजी के क्षेत्र बैंक	12.1	12.4	11.9	12.5	12.8	13.7	12.5	11.7
निजी क्षेत्र के नए बैंक	11.8	13.4	11.5	12.3	11.3	10.2	12.1	12.6
विदेशी बैक	10.8	11.9	12.6	12.9	15.2	15.0	14.0	13.0

स्रोत : ऑफ-साइट विवरणियाँ (बैंकों द्वारा प्रस्तुत की गई)।